THE INSTITUTE FOR
ADVANCED STUDIES
OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO.
MBB—1971— 103 — 44

BUDDHIST SANSKRIT
MANUSCRIPTS

…OFILM PROJECT MS…

[illegible]
1. Film strip number

2. Source

CANDAMAHAROSANATANTRAMANTRASADHANA
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

N.S. + 880 = A.D.
5. Year in which MS was copied (Nepali Samvat and Christian Era)

6. Name of Scribe

NEPALI PAPER
7. Material (Palm leaf, etc.)

NEWARI
8. Script

cm. x cm.
9. Size

10. Lines to a page

11. Number of leaves in complete work

12. Missing leaves

13. Author and Date of composition (if given)

14. Number of Chapters

[illegible]
15. Remarks

[illegible]

Date photographed

ॐ नमः श्रीगुरुवज्रसत्वाय॥ ॥ॐ नमो श्री

वसुमहाबीवनाय॥ ॥श्रीगुरुआज्ञा॥

नमश्री वसुमहाबीवश्रीआज्ञा॥ ॥

ॐ वसु माहाबीवद्य सर्वमायादर्स क सर्वमाया

निरूर्णपनिर्वं ह्रुं हं रूद्र॥ ॥थत जाप रू

मा [illegible] नमायसजसमहा पाय [illegible] तन लक्ष

याय॥ॐ श्री भगवन्तु कृत्या चन्तासि [illegible] ह्रुं रूद्र॥

तपलया सिद्ध । मुलानपूर्यादिनमा सर्वसि
द्धिरस्तु सर्वलोकपरहस्य ॥ ॥ शुभम् ॥
गवपढीलुपदस्य · पञ्प्रासृपनद्गो ॥ नसाया ·
लिगत श्रासानद्ध्वयवजासृपन ॥ रवश्रवप्रकर्त
सय्बामपासभमविक ॥ नक्रैन्या नकूँयनेवडक्षाद
द्दोनिपिदृनं · संप्रहानंपट्टंसपचतुर्मानविमद्दना
नामहभिहद्रजानृस् कंकबाकरयानकं · वसुभात

ग न नस्के वामजानूगातिस्थिन ॥ अञ्जलिकृत मौलिसु
निलनत्यकिरिटिन ॥ पंक्षिविवं कुमारंस्कु सुर्वले का
नलक्षित: छिनछुवख्वा कानंन रूव छुछयाविहु: ॥
शवयाहु नंविद्वानशिर्षाइंखछु चौउयनं ॥ ॥
यवंदु नश्रीवछु माहनंघश शावयनु ॥ ॥
थन छुसन्यालु ॥ ॥ श्रींश्रीवछु मेहानाउवशस
यंपविवानसहित आगछु २ गछुं वैहां ॥ ॥

त्र मण्डल ऋषि [illegible] क्रूं हूं फट् स्वाहा ॥ मण्डल सम
नवा [illegible] मन्त्र ॥ ॐ ह्रूं क्ष्मूं वनवज्रपृथ्वी प्रतिष्ठ हूं फ
ट् स्वाहा ॥ मध्य ॥ ॐ हिनाय वनवज्रपृथ्वी प्रतिष्ठ हूं फट्
स्वाहा ॥ पूर्व ॥ ॐ पिनाय वनवज्रपृथ्वी प्रतिष्ठ हूं फट् स्वाहा ॥ द ॥
ॐ नक्राय वनवज्रपृथ्वी प्रतिष्ठ हूं फट् स्वाहा ॥ पश्चिम ॥
ॐ भ्रमाय वनवज्रपृथ्वी प्रतिष्ठ हूं फट् स्वाहा ॥ उत्तर ॥
ॐ ह्व वजिवज्रपृथ्वी प्रतिष्ठ हूं फट् स्वाहा ॥ मध्य ॥

ॐ माहेवजीवज्रपुष्पेप्रतिच्छ हूँ हूँ स्वाहा॥ अग्नि ॥
ॐ पिशुनवजीवज्रपुष्पेप्रतिच्छ हूँ हूँ स्वाहा॥ नैऋति ॥
ॐ नागवजीवज्रपुष्पेप्रतिच्छ हूँ हूँ स्वाहा॥ वायव ॥
ॐ ह्रीं ध्यावजीवज्रपुष्पेप्रतिच्छ हूँ हूँ स्वाहा॥ ईशान ॥
पुष्पधूपवथादिपुष्पगन्धनैवेद्यधर्मवज्र पूजापर्वापञ्चा
मेनकुर्याद्रिमण्डलस्य हि॥ यद्वा ध्वजावलामध्यमा
हेवजीसमावज्रस्थानस्यवमण्डलस्य हि यन्त्रवासिपिनावलादि
कै॥ पैवत्रोगिप्रद्धनपैवमण्डलकलनं॥ कुर्यादिका

ग्रसिद्धन पूर्वस्य वाहन सम नः ॥ मञ्जुल पवित्र स्त्रीव यामी
नियाग संयुक्तः लाञ्जय ल ध्यमी स्ववज्र पसमूहल्लू
हूं ॥ ॥ मङ्कूटा ह्रस्य हू ॥ ओं स्वेक ध्वग नत्यूर्त्य प
कस्वमश्रीयहूँ मञ्जूटा ॥ ॥ ओं वज्रमाला वा विघटी
श्रा विलह २ जूं स्फ हूँ हूँ फ हूँ हूं फट् ॥ धनज्ञान पाव ॥ ॥
ओं हन २ मारय २ दंष्ट्रानक्ष्यान खवज्र हूँ हूं फट् ॥ उक्जोवि
याद्ह ॥ ॥ ओं गृह्ण २ कह २ सर्वेइक्ष्यानृपास नाथनय २

महासन्नू धर्म्मेन स्वाहा ॥ पाताहि ध्यक ॥ ॥
ॐ ह्रीं भगवन्तू श्रावरी सिद्धि खं हैं हू ॥ नमः पूर्वं
नेऽश्रुलिखि विन ॥ यवेसाक्ष स्यकृ श्रुतिंद्द वर्द्धं एद्दन पे
बावला नाम्ता हि ध्य कद्दय ॥ श्रुलि पैना हि ध्य क ॥
ॐ भगवन्ति श्रावि भ स्र सहद्दय हैं हू ॥ दीक्ला
वारनगाप ॥ ॥ ॐ क्लीं क सर्वमानानी मोहद्
क्लीय र हैं हू ॥ क्लीं हूँ स्वीन ॥ ॥

ममसिद्धिं दृहि स्मेसु हूं॰ निमानपर ३६८८॥ ॥
धनस्कोप्त्रयाय॥ ॥ वज्रसाधनायाय विधि
ज्ञापांवज्रपदवगर्वनासिद्धिं॰ नानासुगन्धनलेपनया
य॰ साहानताऊलप॰ ह्रिं स्पालज्ञापयाय॰ वज्रकया
वजुह्रीसधुनुनिसलह्विनगप॰ कुम्भमासधुनुपूजा
याय॰ वज्रसिद्धि दृयु॥ मन्त्रथ्व॥ ॐ वज्र माहानाय ॥
शान्ज्ञागच्छ २ वज्रसिद्धि २ हूं २ ॥

ॐ चण्डमाहारोषण हूं फट् ॥ मुलमन्त्र ॥ ॐ श्रृंखल हूं फट् ॥
द्वितीय मुलमन्त्र ॥ ॥ ॐ हूं फट् ॥ त्रितीय मूलमन्त्र ॥ ॥
हूं स्वाहा ॥ हृदय ॥ हां स्वाहा ॥ द्वितीय हृदय ॥ ॥ हूं स्वाहा ॥ त्रि
तिय हृदय ॥ ॥ प्रथम योगिनि मन्त्र ॥ ॐ वज्रयोगिनी हूं फट् ॥
मूलमन्त्र ॥ ॥ ॐ प्रज्ञापारमिते हूं फट् ॥ द्वितीय मूलमन्त्र ॥
ॐ वीरविघ्नि हूं फट् ॥ त्रितीय मूलमन्त्र ॥ ॥ दक्ष सुर्द्धनाय
पपकर्त्र्यं शूल ॥ श्रृगु कर्थं वज्र चक्र त्रिशूल पास वज्र केव
ध्वग मुस्ल फ पंच बाण सा चनयाय यउ थ्यं शूल ॥ ग्रम ल द

माने हृदपृष्ठे एकविंबितकुलपुतिर्विं साधन लूयागुह्यकेशलग

श्रवंविन मर्मगलभ्रुवसाधय ॥ मनुष्यमर्थेषु ॥ सभगनत्सार्किस्याद

न्त ॥ पिसावताबानसि ॥ प्रवाल मत्स्य आल॰ श्रीनिवानिखवायुप

लतां ॥ कृ॰ नि ॥ नामकामट्ठ व॰ वृन्ताल्याद॰ मन्त्र उप्याकुवे ॥

वास्तु ॥ कृत्याहि॰ नागनागिनीन आदि॰ नागकेसरिनियासी ॥ हृ वानिहृ

दिंशगलसि ॥ नागआश्रा दं॰ फिलाकूमा॰ सविद्दवि॰ कांवननाल

कुन्दलहारीन॰ नलमाला ॥ बंन्ध उवी स॰ श्रीरमधी॰ नागस्व्या

हृ॰ अूमसयागनमाधवपायउ ॥ वदकाहुमर्यजोहूवि ॥

थूगुकथ वन्दूउखनवग्रह॰ साकन्वर॰ वृद्धपीपा स्थिरश्री॰ साधनाचाय ॥

कृमिवायापाया [illegible] पूकू [illegible] सँयाला । [illegible] थ सिद्ध्वा ॥
ब्रलाकिस्तूमहाखवेडुकामदुयाद्दु ॥ याअसस्ल लानयानोवो
ग्रनजादि ॥ थ्वालदक्क साखनायायाय्ज्वजया थोह्लुल ॥ ॥
मन्त्र ॥ ॐ वज्रमाहावायक्षजृगस्व र [illegible] भूकर्म सांवयरहुं
हूं ॥ गुरुदय [illegible] गुयानानिकास्र माल ॥ सर्वपापनास्य
यनि: थ्वलिनागापयायपापनासहुयू ॥ व अ २ मा ख्वफना
गापयाव सर्वरुयनास ॥ । [illegible] निया [illegible] पूव [illegible] काप
का [illegible] मालनया [illegible] १०८ [illegible] पापयुद्दि सासहालु । सर्व

कीर्त्तीनाह्म्यय २ थ्यलिननाहालउकिर्त्तीनिवस्यउअन्यु ॥ ।
पालानानाऊ २॥ थ्यलिननाबाह्मलसप्यनउाह्म्य ॥ ।
ह्मवह्मऊउवानय २॥ थ्यलिननाभसानयानाजपाचुकु
सयालुवासहालास्थाकुउाक्षुया कुउवानलह्मसु॥ ।
श्रनुकनागनासयफि॰ थ्यलिननाकु मु याँगभलमर्वेनीग
नास॥ ॥ह्मवह्मकुस्पविषनासयाते॥ थ्यलिननाथकीं
सपुयसलायतु॥ ॥तुकुवस्पयायनालउकुयाडग
वाय॰ ह्मपाउगिंनल॰ ह्मपाजापयार॥ श्रम कह्मसमाना॥
थ्यलिननाजपयायँवस्यंह्मयु॥ ॥पूह्निस्पकुर ॥

थृलिननाजापयायव॰थननृनदृयू॥ ॥सर्वजुलान

सयधुं॥ थृलिनाजत्रुवियथनजाजललनामशुयू॥ ॥

हृलिन न॰मनलिलदृभेलायनङ्क्षिनालनेतस्पमहविरू

यऽशृउलनउलंगिय॥ लोकानांमृषेवन्धयय२ थृलिनना

वानाउअनम्पवनेवन्यूमवू॰सिद्धलंफिनसालोकवसशुयू

॥ ॥नागवाजासाधयय२॥ थृलिननालषसपूयक्कल

पश्राकाससा॥ हन२जृनन्नाहिदुंववा॰पाभिं२॥ थृनना

गघपायजाम्मयू॥ सर्वंवानाविह्रींनम्हपर२॥ थृलिनना

श्रीकासन्तकुरुनसस्यपूयअष्टसीह्यु ॥ ॥
प्रथममालामन्त्रनहतंकिस्नानयाहलवीसहपुका
नेविस्य।सिनसहसीलपतिसिद्धसांगलपनरहुन कथा
यसन्नस्फलनास्तु ॥ ॥ द्वितियमालामन्त्रगुणकाम
स्नानयाल १०८ यायधिरिपुवल्लामनंदगुरुकार्यंयायउ
गुकार्यसिद्धरस्तु ॥ ॥ ॐ वीहीं स्त्रिं हूं फट ॥ ॥
ॐ वीहीं क्रूंम्रूं किणायानु हूं फट ॥ ॥ प्रथमन्त्र हीम
सम्यन्हूनहगनवायलाहाणिनाकप्यथा १०८ गायायाय
हूंपो

पूर्व न थाल १ पलपं मिसायात कानहाल मिसा वस्त्र
मिसानं १ पलपं ०० कानहाल पूर्ण वस्त्र : लवसं जपू सा
हिंत ऋयू : वस्त्र सं जपू सा सकलं जनन र्ण नियायू ॥ नक्वं
कन्त्र पं नकू सान पिसकलं वस्त्र ऋयू : बिजपानं कू सानं
पिसकलं वस्त्र ऋयू : थ्यमन्त्रं प १००० सायात पिपनि
लाक्क पाय स ऋयू : सर्यं लसो जापयाय शुक्र सानी
मक्वपा ॥ ३ क्व वस्त्र ऋयू : थ्यमन्त्र पलपं ९३ लासपि
पनि लाक्क पाय ५३ ऋयू : क्वचा सयपावानि लाक्वा

य धक्ष ह्नुयू मि मिसायाक्ष पिपत्नि लक्ष थाय मिसाहृ

यू मिजत्तयातं पिपकनि नाक घायकं मिजनहृय ॥ ॥

मन्त्र दुकस्पान थ्व हृस नमिसायाफल थयाउस्कवस्प ॥

शुशुयानाम काँस्थयाकडुशु मिजहृयू ॥ ॥

ॐ अवहृ माहाना पवर्कृ मवीलशद्धरशृमूककार्यम्य सा

वयरहृ हृदृ ॥ थमन्त्र १०८ जापयाक सासृर्यउ डव

हृयबा थवि वि धृनाम ९ नप्रतनाकुस्त समस्कृ सीमिहृया

पथमामालामन्त्र हृजपजसपकहले १७ यादृथसनेलो

चलनक्रवन्दन नायहृक्रुफानोचनाकउवायसर्वत्रनेजा ॥ ॥

ह्ला। ॐ नमन्त्रन॰ पकाचिकनसंजपा १०८ वाना। चिकान
नय॰ क्षसवृयमखानतानंदयू॰ घालसवुयघाललायू
॥ ॥ॐ यक्षुमा हा वा यह्रं ॐ देहि व्याघ्र नमः हृ
हेदह्॥ थ्व मन्त्रन समस्कुआ सिलस १०८ जपान क्षुह
क्रेवघयहुयू॥ कफि धउनसीसकविर्द्ध॥ घलक फि हृ
सेविकाल याउ। सिल॰ सुवचनदासंजपवानेलायू॥
सुवहामवृद्धी याना समलाग॰ घलकफि सवुतोग
ध[illegible] गौवनवृद्धिहयू ॥ अवहल॰ नलाय॰ पिपि

मल्ल·थूति सम ला गनानिस्य·क ल्हिसपनं·ग पङ्कि १
नकेला ३ लानकान सर्वे गाम्ह दिना ह्युयू ॥ ॥
यला याहा·कहुआनिसं कपाल सपाय मासा कला थू
पाला विन [illegible] यम [illegible] थूकियाकू किस नया लनथे
लियत्रि ला थूनका थ दा स्यें त्वन क कि मिनास्ह ॥
केकक्रियाहा·ह्सु सिद्ध·विकनस थ्व ला ना यक·शि
सिकक्ष न म्वाक्ष ॥ ॥ श्रुमननक्षी·ह विनकि

वा
हैगार्ग्रपिप्पलि·मरिच·ल्वाहवृ·हं·नि·मध·सर्कं·नासी
उड्म्ववप्रमानं गुड्डिकाकूय्यो ठकुयमासनत्रिसक्तायू
कूमाविपवनमर्कं घृतदधियूकं ठकुयनु·सफ्नायूनोनूस
नायू॥ यवतिलाश्वगन्धनागवला·माषेन श्रिगुयगुत
नेठकुयनमहावलाहुवनि॥ ल्ह्वालिगुगुकौश्रिगुथलभि
नखानकूझलाद्दना ठकुयमहावलः स्याथ॥ सर्वका
मानदेवकाणावयनू·मन्नयाचोखने·समाधितिछू॥ ॥

सालिकायायाङ्किनसूर्कं याना पकाविकनसयाङ्कन
ङ्किनाङय·वूयलगलिंगसम[illegible]मु॥वालवायाना सप्पा
वा·सिङ्कल·ङ्कसपनसथ[illegible]ङ्कनेवागनास॥ ॥
ङ्कनूपिंपिऊवहलविहल·व्याहा ङ्कं नालसकसमङ
सिद्धयमिथासउल·सङ्कवागनास॥ ॥ङ्गानपि
पिनसंसर्वाङ्कवागनास॥ ॥पिपिथूनेङ्कनाले
सकसकोलिसवूलामहानिङयाउल·वाखोधनास॥

कृलोनसिकुंकि थ्वलर्पोतल्योयाति । ह्लासमथायद्दासि
ओगुनास ॥ डुवनसियायाहा । फुआकियानेओत्वनुक
कृगुंहिओगुनास ॥ प्रियंगुअमीसियाहा । आनढानात
सुंओअलनास ॥ नैयापु पृथ्वीगुनकृयन्दनकृन । ओय
थांगसह्काथ हृस्यंत्वनथेकृयथ्यगनास ॥ मस्मात्थो
ऊलावीजनसमृतसाचनास ॥ कृन १ मल १ चाकृ १
लेथ्वघेलसनयाओत्वनके गहनिनास ॥ ॥
२

पालं नि॰ ञिनि थ्वकं क्वाथलं वसन्त याल्वनकं मित
नास॥ ॥ नीस्ता गव सा घउात्वनकं मिहिन नास॥
ञिवांकू कं स्उानस्य वाननागनास थ्वउअसंलषि
वाठाकू स्याघाल संपाय घाल यीं नास॥ ॥
वाकू कूनउ निस्यं वाकू सखू नानके मूसउनास॥ ॥
सृथि वाकू नस्यं स्यषमनास॥ कूनकंक्षिनस्यं संवो
ञयवागनास॥ वाकूघलनस्यं वाकपिलं सस्यमकूखा

1.

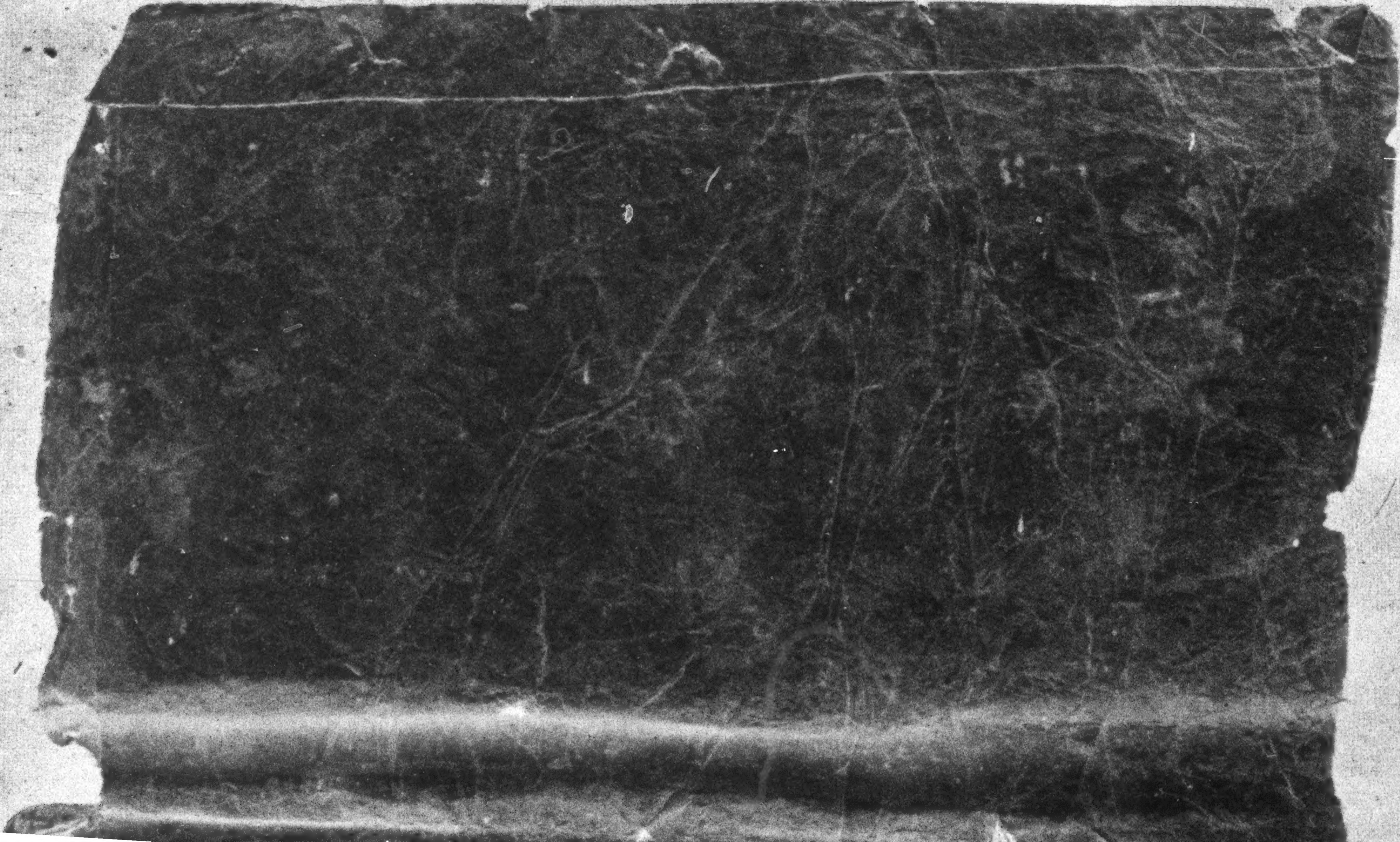

हिलाजी ॥ यल बाकून स्यो विक्कालया । [illegible] वहलाविहल
वुन हासी खुन [illegible] । विद्दालनास ॥ इहापी । पर्यलकर्भ
स्वन सी लेनके नलनुगलस्यापु । कामसीगनास ॥ ।
[illegible] ॥ उर्ध्वपवा । जनायाहा । सवकउ निस्पी नय
लिवस ॥ स्मो । वीवन कूवपुय्यीसी । तिजास्यी सिद्ध वि
व । सप इदु ॥ [illegible] नाज याहा सक्र [illegible]
निस्पी नियतस [illegible] खजकरा वव ल नोकु कनासनकू
[illegible] ॥ स्मसानयाकु भिसाया । न[illegible]यकु भिसावते ॥

८

स्वदना हृ निपालक्कथयाहि सवलानि कत्वेक स्तनयन

कवसमस्य ॥ ग्वाल ससेथ बूनक पनक नक्कवस्त ॥

उंम न्ता थवोयाद्दपाद्धिनिपो पो तवछुपाखं स ग्व क

पाजसलक मालउक्कयानामस्वोयाजप्य थउथास

ओयू ॥ क्वबूवो सथा कार्को ऊहु मृन स्या नेम्मोलं हक

थूधूं यस्याोस नासिस्याक शावोसहवो ॥ ॥

मलोसिल नागकसावि [illegible] जुं जिस्वं प्रियंतु रामल ।

वत इक्के कापकसुउ थनाभृतल्याउलला क्कवस्य इयु ॥

॥ कस्तुरिलक्ष्मालु धर्मु न सुहद् वा थुलिनासिद्ध

लीतिय नै लाक्क माहत ॥ वस्व इयु ॥ ॥

ॐ वल वित। विलि २ वुलुवल मर्थं २ स्वाहा ॥ ॥

थउा गुलिगसह्या ३ गुकस शस्वा क्कल घा स्यं ग

न १००० नामकासुं। थ्वमन्त्रु वंत ॥ नमोतवस्तुति

भसको मवस्य कु स्वाहा ॥ गु क्कवस्मयायमाल

डुम्क वस्यह्रु यू ॥ ॐ क्रौं याहा ॥ माघ कृष्ण याव चतुर्द
सि धून स्पस्पा नेयानी १०८ रूपं मि माया सिव सत्य
वस्यह्रु यू ॥ हा कू स्वं यावं गतुनि सोचय. हुकु स्क
म्हह्रु यू ॥ ॐ क्रा याहा चिय स्विव नं काकय गभ सियू
शुपस कशव. कस्ति ध्वनं नाहि सयाय सुङ स्क
ह्रु यू ॥ ॥ ॐ ह्वालीकलालवदनं. हस २ हला
हलवडं. हुल २ हालवय २ सर्वमघवानविष्ठं.

हैंम्कृयश्स्कृानयश्सर्वपानियं स्वखयश्हूंरूप

॥ ध्वमन्त्र १००० गा पथासंकारटनकाकामस्वर्स

सूय उरूस्मउाय॥ ॥ ॐसर्वविघ्नाधि

पतय पथगन्त्र मन्त्र नासयश् सर्वडाकिनीना

शासय श्वंघ [illegible] किलयश्हूं२रूट॥ ध्वम

न्त्र ग्रामनगरनिडानव्यलसवीनाउानसर्वलय

नासश्रुयू दीक्कोनीठुथविससकिरुपाहेलं ॥

२ वन्धरभकें किलीयार२

ॐ ह्रीं क्लां व· हूँ २ ह्र२ हां २ फट् ॥ स्मशानक्रिकृ नम
न्त्रं ॥ ॥ ॐ ह्रीं वि २ फट् २ वटुकु माहानाय ह्रूं फट् ॥
ल्हू वाल याउवाक यास्के १ पलपी हर्प यालहालि विस
र्जन्यू ॥ ॐ मम्ली २ ध्या२ पलपंउ धी हाल धू विस्कडा
नि ॥ ॐ वाइ त्राश ॥ ध्या ११ रुपैंआनाकि मी विस्कडा नि ॥
ॐ किर्धि ज्ञा २ धा १३ खजपे हाल ग्ये द्दाविसि अन्नु ॥
ॐ ह्रिं वटुकेनाथ वटुकु माहानाय ष्ष ह्रूं फट् ॥ ध्या १९

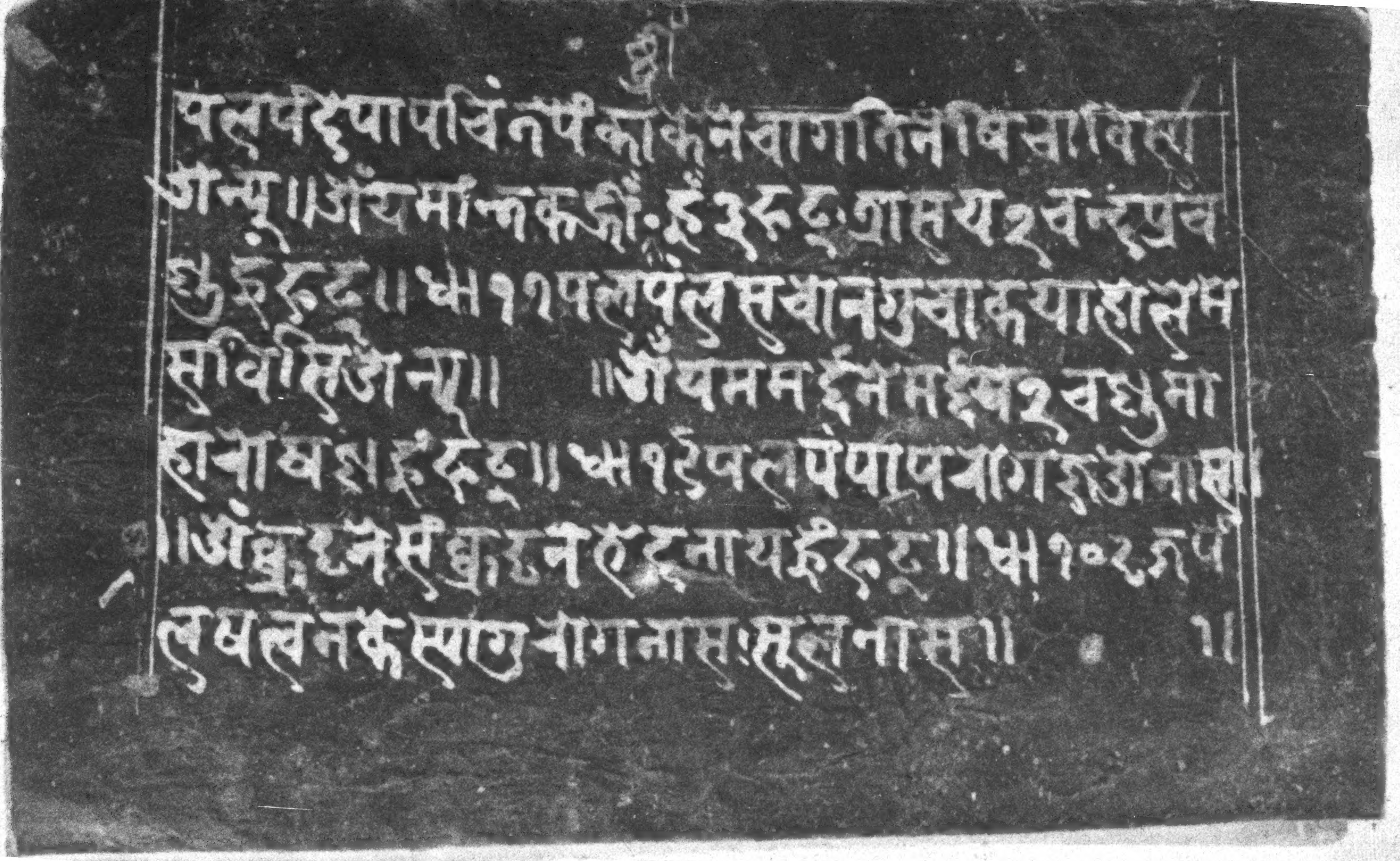

ॐ सं शासनमोहनायङ्गु द्रूः ॥ १८ ग पर्वतम्पौ लासमि
यन्हृ ल्मोन ऊ ॥ ङ्ग्म्बल सबलमूवर्ष किलयङ्गु द्रू ॥
॥ थिंकियाछुपला ऽधिकपुंतोलड्यंके थ्यालाहाग
सुहीबिनालनग्व स्क सुलऊ फ्कयां ख्वालखांयवहुअ
नापलाकथामसवाना ध्मल १००० गपयायथ्वनथज
उख्वालुपनसुँ कुधायरू ङ्मष ॥ ॥ ॐ सर्वमा
वद्येङ्गे म्ह्रसकस्पपाइकिलें यहूरूट ॥ ज्ञापायाथ्वी

यानाॶन्त्रक्क ३खा सन यथेगाभि[illegible]गादिसिकयाद्दाय
नासासिक भियरु मषु॥ ॥ॐवृक्षनाननपव
वनल ॐ नल ॐ यरलभ्रू य २वजपाला न-अमृके स
सिन·वन्ध २ह्रैं रूटू ३व॥ग॥हहाही दें २ह्रौं वहु मोहावा
षलह्र रूटू ॥ क्षापाया॥ थें यानास्नाधिपतियाल त
गतनयायाचि लनानाथी·वृक्षासक्क स्वयचाकयाहाल
पवसिनॐ आयुपिक्षायरु यिमषु लललन ह्रु॥

ॐ उयर्पबाउ्यनिर्द्धिनयंत्र ःहीरहारस्लाटयरउ
छ्लाइयश्तिघ्रक्र मक्रुर्२ ॐवहु माहापाव सईकृ
स मानयावक्रुमथमन्त्रबायाहाकृकानक्षवियहिन
क्षवाय भाल १००० गपपप ॐत्र मन्त्रलुगयग्युम
यू॥ ॥ॐ ह्वषनह्व षकॐत्रमूकनविह्वषय ॐव
हुमाहाबापषईकृ द ॥ मामनयिलसुषिवाल्याकुथ
लवानयुधलकयाॐइपाडुलामनिक्षषिवायाक्

लुथयाउं॰ मनु १ पलपं गुध्कसया। लुखास्त हीलाखु।
गउकसयाक्रसक्रलइद्दयु॥ ॥ओं वीलुमि
लिलुलिन१ हुद्दु॥ क्षार१ वीनावाहलसपुयर्मसा
साकनासु॥ ॥ओं कुं ३ लुलयय २ क्षनवसन्वे १२
वधु माहावापघाइ हुद्द॥ सायाक्वङ्कसकुगुलाहा
पर्क्किलस्कना॰ क्षाल १०८ पलपं सायाक्षालसुनाय
सायाडुडुमउायु॰ लिकायउथीदुयु॥ ॥

ॐ ह्लतगृ धृनि वृर्षीवत्रू पिनिषमहहस स्त्रुँ यङुमा
हा स्पनाह्लापय ि स्वाहा॥ ४ १०८ जपेय सुत्रा पत्रु॥
ॐ सं कामिनि निर्ध्वं ह्राँ ह्रः हूँ हूँ ३॥ ह्लापायाध्वी सर्वविषनास॥
॥ ॐ श्रीनका८ श्रृमर्द्धि वा ह्लि क्रुन स्वाहा॥ स्नग स्वी
स्नानसु १०८ जपे स्वा ननरु यं क्र व स्नहृ य॥ ॥
ॐ सां मूद्धु भृंगि नं क्लि रन जस्वाहा॥ १०८ जपे स्नाद्धि
ग वक यापु यरु हि सहि क्र गश्री ग नं क्ल गमत्रवाना

पूजा सनय·समस्त पनास दुम्व ॥ ॥
ॐ नमो भैरवनाथाय मोरुसिंहलोचनि स्वाहा ॥ ध्याले
१०८ जप स्वललिभयासह्कुनके भिखा स्वाकनास ॥
ॐ ज्ह्मनिलू ज्ह्मनि मोहनि हुर्वंड लृप्र हुमोहि
स्वाहा ॥ थ्वं मन्त्रुवानाजन्य सस्क पूया ल्यनास ॥
क्षुलि काचायालाहाउंकि·मासगव १ ध्वल ह्वी·थउ
नयाहरे·थालावाया नयाहाक लाछ्रि हाकठु काप
तसु·थुलिडु थनाऽ तालीतिले मनव्याय·सकलुउ व ॥
याखडूपू ॥ ॥

ॐ कोकक्रहनिक्रछनी दवक्काक्नल जायस्वाह्म ॥
ञ्ञ्याहलमुक्कखयानगलयाहिक्या·क्कखयापावू
नवोयाजागुस्कयावृक्लाक्तथनाडानल·अक्कयानक्क
खनन्याय॥ विक्कुयावूनयानावूयघानक्कनास॥
सिधामायाह्राबाऊनसीनिम्ह्रावधयह्लय॥ ॥
पुष्यनक्कठघृन्काय·कनकिमालसनय·घह्नव
याहालाहानिसविमायम्वसियाक्कठसनय·ऊक्क

नसास्वानभवनस्तुनपाल्सास्याालङ्ग्यूमवू ॥
थ्वओषनिंआसल्तरूयभिननमपूक ॥ ॥
थनकनविनखुपसाधनमन्त्र ॥ ॐ नमो गुरु स्वाहा ॥
॥ ॐ मूल थ्वकंद्नइरूद्रस्वाहा ॥ ॥ खुपअसले ॥
भूगुर १ गुउ १ नाकि १ सिङ्खाप १ ॐ दुङ्गौ १ सुमगु
गनखूर्हं थासंउपयाय · वस्तुहृयखुपथनवनउ
ओयू · गोल्दुयू · गुलङ्गयू ॥ ॥ ॥

ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं वज्ररूपं वद २ प्रवद २ कह २ प्रस्फुर २ प्र
स्फुरय २ हन २ ग्रस २ वन्धय २ गर्जय २ स्तम्भय २
मोहय २ सर्व सत्रूनां मुख वन्धनं कुरु २ सर्व देवता कि
निनां ग्रह भूत पिशाच व्याधिय ज्ञानी · त्रासय २
मर्दय २ मारय २ चूर्ण २ वज्र गुरु कं नहृ २ मां देव दुष्ट व
शु माहात्मन सर्व मां रक्षापय ति · ॐ वज्र माहाबाध
ह हुँ फट् ॥ माला मन्त्र प्रथम ॥ ॥ द्वितिय ॥

ॐ नमः सर्व्वासापरिपूरक त्वः सर्व्वनथ्यगतत्वः स
र्व्वनथ्यसृबलकालन न ट २ मोट २ सर्व्वेसत्र हिस २
आव्यस २ महामन्त्रपानकः धूत २ हिन २ घाद २
विघ्रानुमानान इष्टान ह ह २ सर्व्वान कूर २ किवि २
महाविश्ववजद्दह ह ३ प्रिवाललमनगमनक हूं २ अ
भसवनरूद्र स्फ नय २ हूं हूं असमन्त्रकर्म्ममहाव
लसानयसमानय ओं मां ह्रां शुद्धनुलोकःशुध्यंतु

वज्रीनमास्तु प्रतिहत बलवलः ठालयत्राटत्तहनम

स्वाहा ॥ इतियमालामन्त्र ॥ ॥ नमस्सर्वास

पतिपूनकल्पः सर्वतथागतल्पः सर्वथमनाटत्रुञा

ल्पबन्धुनामघधाक्ष्मं हूं फट् स्फानयहूं ॥ ग्रामयर २त त्रहों

मांहूंफट् ॥ इतियमालामन्त्र ॥ ॐ तिपवक्षेमना म

मन्त्र ॥ ॥ विलषमन्त्रा ॥ ॐ ह्रस्वावनहूं फट् ॥

ॐ रक्षनायकहूं फट् ॥ ॐ पिनावलहूं फट् ॥ ॐ नक्राव

यहूँ फट्॥ ॐ क्ष मा माक्रन हूँ फट्॥ ॥ ईविनीवि

सर्षमन्त्र॥ ॐ हूँ वज्रक्री हूँ फट्॥ ॐ माहवज्रि हूँ फट्॥

ॐ पिशुनवज्रि हूँ फट्॥ ॐ नागवज्री हूँ फट्॥ ॐ कुष्यावज्री

हूँ फट्॥ × ॥ योगिनीमालामन्त्र॥ ॐ पिव २ प्रज्ञावर्द्ध

नी॰ ज्वल २ मेधावर्द्धनी धिवि २ बुद्धिवर्द्धनी स्वाहा॥

वलिमन्त्रसामन्याय॥ ॥ ॐ नमो भगवत वज्रम

हारोषणाय॰ ईवाशुनन नमनुष्या नां सुत्रासनकनाय

सकलमार्गविघ्नविनाशनकराय·वज्रमकुटकूटकमिव
·शायधनाय ॐ भंवलि·गृह्ण२ ममसर्वविघ्नान् हन२
चतुर्म्मार्गनिवारय·शासय२शामय२छिन्द२भिन्द२
नाशय२शासय२भक्षय२छेदय२दह२सर्वदुष्ट
मलान् ममविघ्नकविनान्·लक्ष्मी कुरु हुँ हुँ स्वाहा
॥ ॥ ॐ तिफरविनायकश्रीवज्रमाहाबार्थ
श्रीतन्त्रमन्त्रसाधनविधिसुह ॥ तिलक ॥

नमामि वङुनाथ सत पाल घउ श्मा विदी · कंकनाह्न
माहाध्यानं नमामि छुलवनेश्वरी ॥ धस्नु दर्थ
दृथ्या हरिनापिङुनिका मर्दिन सुन पानि लन्सा ॐ
क्ता दखङु ह्लोने दृ हिनकबेनायधान्वयं · स्वल पा
नानभनु · यहुगाद्य सकल पावाद्वि पावनाग्य · नेली
क्षाकानि मर्लिजयगवङुनाथावलखी ॥

विजयते

छ श्रावलनमस्तुल्वछुविष्णुज्ञात्मकंवित्तः द्वयकजी
नमस्तुतं ॐगद्ध षविवर्जय॥ ॥ ॥
विश्वरोऊ दिनसमधुल दिनगाती· ईं कायाविजा
रुर्वइ ख्यालिपविपिछु ना· ध्यवबाछ् हामापबाउ
१धामीसाविबादि नि· दाक्षिन कवपासाल्कु· सुर्वक
नवन्दृश्री वलवछु माहोबाघघाकारु मृडा ई सव
॥ ॥ ॥ ॥ ॥